Physical Division, Drainage and Climate

Physical Division

- जापान उ. प्रशांत महासागर में स्थित एक ज्वालामूखी द्वारा निर्मित पर्वतीय चाप है। इसमें लगभग 6850 द्वीप हैं लेकिन उनमें से चार प्रमुख द्वीप हैं जो उत्तर से दक्षिण की ओर क्रमशः होकैडो **(Hokkaido)**, होन्शू **(Honshu)**, शिकोकू **(Shikoku)** एवं क्यूशू **(Kyushu)** हैं। ये चारों द्वीप जापान के 98 प्रतिशत क्षेत्रफल पर फैले हुए हैं।
- सामान्यतः जापान को मध्यवर्ती पर्वतीय प्रदेश एवं तटीय मैदान, दो प्राकृतिक विभागों में विभाजित किया जा सकता है। देश की भौतिक स्थिति का अध्ययन इसके चार प्रमुख द्वीपों में विभाजित कर किया जा सकता है–होन्शु, हौकैडो, शिकोकु, क्यूशू।

अपवाह तंत्र (Drainage System)

- द्वीपीय स्थिति होने के कारण जापान में लबीं नदियों का अभाव है। बीच में पर्वत होने के कारण छोटी–छोटी नदियां निकलती हैं एवं समुद्र में मिल जाती हैं। ढाल अधिक होने के कारण नदियां तेज गति से बहती हैं। अधिकांश नदियां प्रशांत महासागर में मिलती हैं। मैदानी एवं तटीय क्षेत्रों में अक्सर बाढ़ भी आती रहती है। कई धाराओं में बहने के कारण जल का उपयोग आसानी से चावल की कृषि में सिंचाई के लिए किया जाता है। छोटी दूरी एवं उबड़–खाबड़ भूमि के कारण जापान की नदियों का उपयोग आन्तरिक जल परिवहन में नहीं किया जा सकता है।

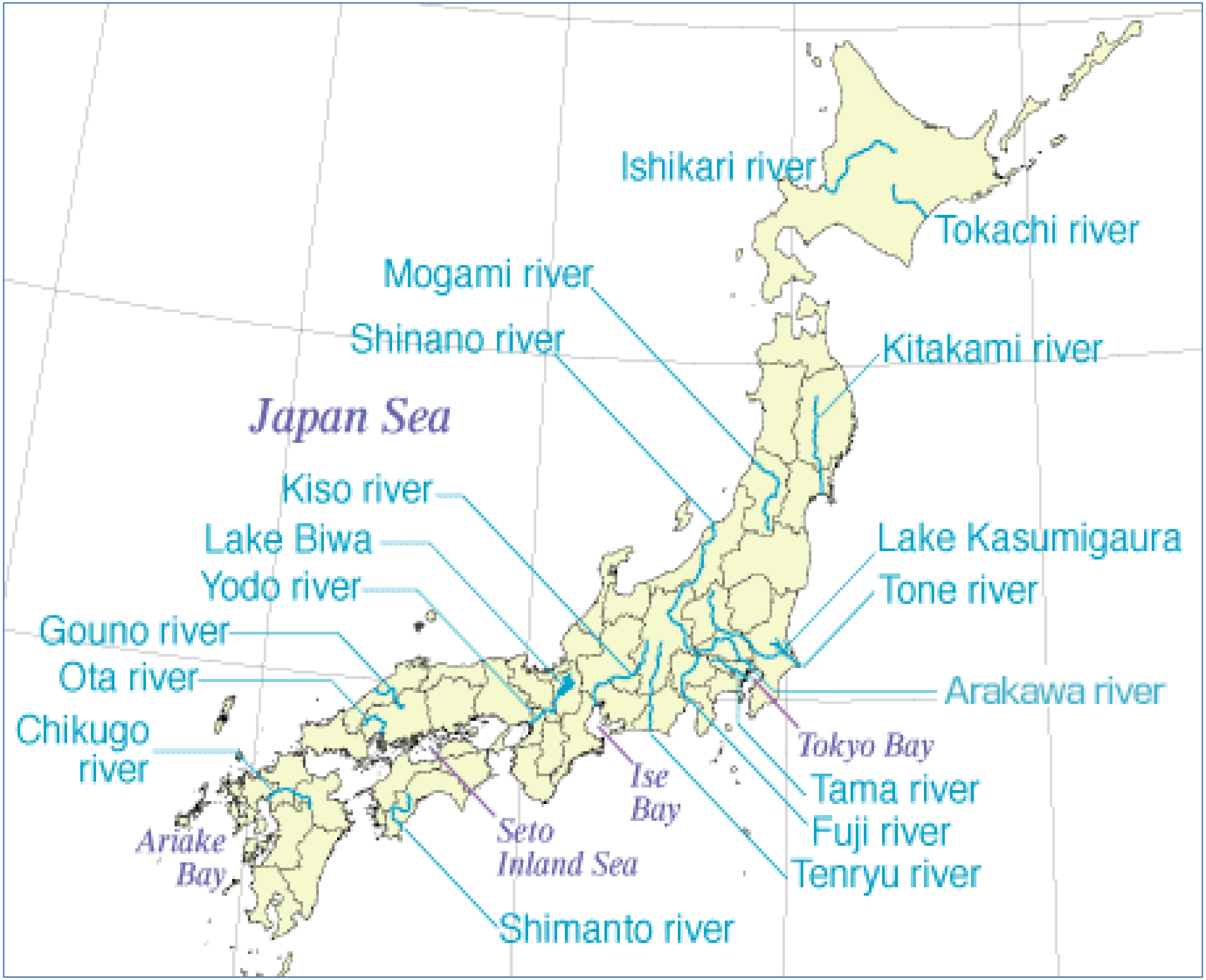
Ishikari river
Tokachi river
Mogami river
Shinano river
Kitakami river
Japan Sea
Kiso river
Lake Biwa
Yodo river
Gouno river
Ota river
Chikugo river
Lake Kasumigaura
Tone river
Arakawa river
Tokyo Bay
Ise Bay
Tama river
Fuji river
Tenryu river
Seto Inland Sea
Ariake Bay
Shimanto river

‘बीवा झील’ (Lake Biwa)

- होंशू द्वीप के पश्चिमी–मध्य भाग में स्थित ‘बीवा झील’ (Lake Biwa) जापान की सबसे बड़ी ताजे जल की झील है। यह झील उत्तर से दक्षिण की ओर 64 किलोमीटर लंबी है तथा 672 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत है। बीवा जापान का एक वाद्य यंत्र हैं जिसकी आकृति इस झील से मिलती हैं इसलिए इसे बीवा झील कहा जाता है। झील की अधिकतम गहराई 103 मीटर है। यादो नदी (Yodo River) इस झील से होकर बहती है। कासूमिगाउरा (kasumigaura) जापान की दूसरी सबसे बड़ी झील है जो टोकियो के पास होंशू द्वीप पर स्थित है। होकैडो द्वीप पर स्थित सारोमा (Saroma) जापान की तीसरी बड़ी झील है।

Sn	Island	River	Length
1	Honshu	Kitakami	249
2		Kiso	229
3		Tenryu	213
4		Arakawa	173
5		Tame	138
6		Fuji	128
7		Ota	103
8		Yodo	75
9		Mogami	229
10		Guono	194
11	Shikoku	Shimanto	196
12	Kyushu	Chukugo	143
13	Hokkaido	Tokachi	156

जलवायु (Climate)

- जापान की जलवायु मानसूनी होने के साथ ही सागरीय प्रभाव से प्रभावित है। इसकी जलवायु पर अक्षांशिय स्थिति, पर्वतीय स्थिति, ऊँचाई, सागरीय प्रभाव, क्यूरोशिओ (गर्म) एवं आयोशिओ (ठंडी) धारा **(Kuroshio and Oyoshio current)**, प्रचलित पवनें आदि का प्रभाव पड़ता है। आयोशिओ ठंडी धारा के कारण होकैडो एवं होंशु द्वीप के पूर्वी तट पर अधिक ठंड पड़ती है।
- देश में सर्दी की ऋतु लंबी एवं अधिक ठंडी होती है जबकि गर्मी की ऋतु छोटी होती है। शीत ऋतु में होकैडो द्वीप का तापमान शुन्य से नीचे चला जाता है। होकैडो द्वीप पर सर्दीयों में एवं अन्य पर्वतों के ऊपरी भागों में बर्फबारी भी होती है। ग्रीष्म काल में जापान के उत्तरी भाग में तापमान लगभग 15° से. एवं दक्षिणी भाग में लगभग 25° से. तक रहता है।

जलवायु (Climate)

- जापान में सर्वाधिक वर्षा दक्षिणी–पूर्वी क्षेत्र में लगभग 250 सेमी. तक होती है। सबसे कम वर्षा होकैडो द्वीप में लगभग 75 सेमी. होती है। पवनों की दिशा एवं वर्षा का प्रतिरूप मानसूनी प्रदेशों से मिलता–जुलता ही है। जापान की औसत वार्षिक वर्षा लगभग 150 सेमी. है।
- टाइफुन नामक चक्रवातों का प्रभाव जापान पर पड़ता है।

3 Major Climate of Japan

- CENTRAL/SOUTHWESTERN JAPAN – SUBTROPICAL
- NORTHEASTERN HONSHU – HOT-SUMMER CONTINENTAL
- HOKKAIDO – MILD-SUMMER CONTINENTAL

Climate

- Japan has four distinct seasons with a climate ranging from subarctic in the north to subtropical in the south. Conditions are different between the Pacific side and the Sea of Japan side.
- Northern Japan has warm summers and very cold winters with heavy snow on the Sea of Japan side and in mountainous areas.
- Eastern Japan has hot and humid summers and cold winters with very heavy snow on the Sea of Japan side and in mountainous areas.
- Western Japan has very hot and humid summers (with temperatures sometimes reaching 35 ^{o}C or above) and moderate cold winters.
- Okinawa and Amami have a subtropical oceanic climate. These areas have hot and humid summers (with temperatures rarely reaching 35 ^{o}C or above) and mild winters.